Post-EventReport

Event	मंथन उद्घाटन और वर्कशॉप
Topic	कैरियर काउंसलिंग वर्कशॉप
Organizer	हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन'
Date	10/01/2022
Time	11:30 बजे प्रातः
Duration	04:00घंटे
Place/Platform	गूगल मीट
Number of Participants	62
Guest Speaker/Trainer	डॉ. संजय सिंह बघेल और डॉ. अजय अनुराग
Welcome Speech	डॉ. दीपमाला
Introduction to the Speaker	डॉ. दीपमाला

Activities

नई दिल्ली, 10जनवरी, 2022, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा मंथन (2021-22) उद्घाटन और कैरियर काउंसलिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संजय सिंह बघेल और डॉ. अजय अनुराग थे। डॉ. दीपमाला ने अपने स्वागत वक्तव्य में वक्ताओं का हार्दिक अभिनन्दन किया।जिसके बाद कार्यक्रम प्रारंभ

किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी एवं शिक्षकों द्वारा दोनों वक्ताओं से कैरियर और उसके भविष्य को लेकर कई प्रश्न पूछे गए, प्रश्नों का जबाब वक्ताओं ने बड़ी बारीकी एवं सकारात्मकता के साथ दिया। अपने वक्तव्य से उन्होंनें कैरियर और हिंदी के पक्षों पर बात कर सभी को उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के विभागों के प्राध्यापक व विद्यार्थी मौजूद थे। अंत में अविनाश कुमार ने वक्ताओं को धन्यवाद दिया,जिसके बाद विभाग प्रभारी डॉ. अंजु बाला ने औपचारिक रूप से सभी के सहयोग के लिए सबका धन्यवाद किया।

Main Ideas

डॉ. अजय अनुराग ने कैरियर और उसमें हिंदी भाषा के महत्त्व को समझाते हुए उसे विभिन्न जॉब और उसके पर्सपेक्टिव की बात की। उन्होंने यूपीएससी में हिंदी और उसके महत्त्व की चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए उसके प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। सफलता हमें शक्ति से मिलती है और शक्ति जितनी हम मेहनत करेंगे।अपने काम के प्रति जुनून ही आपको वो सब कुछ दिलाने की क्षमता रखता है जिसको आपसंजो के रखते हो। सपने हमेशा अपनी योग्यता से चार गुना अधिक देखना चाहिए,क्योंकि आपके लक्ष्य ही जितने बड़े होंगे आपकी सफलता भी उतनी ही बड़ी होगी।बुनियादी ज्ञान,विश्लेषणात्मक सोच और विचार का होना आवश्यक है।

इसके बाद डॉ. संजय सिंह बघेल ने हिंदी और उससे संबंधित कैरियर की बात

करते हुए कहा किहिंदी भाषा में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं।प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच और संस्थाओं में हिंदी के प्रयोग में वृद्धि हुई है।फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब तथा व्हाट्सएप जैसे अनुप्रयोगों में तो अब हिंदी का ही दबदबा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी हिंदी में बहुत बड़े पैमाने पर काम करना शुरू कर दिया है। आगे वे बताते हैं कि मैनेजमेंट में एक सिद्धांत है जिसे स्वॉट (SWOT) अनैलेसिस के नाम से जाना जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार अक्सर वे लोग बाज़ार में अथवा अपने कार्यों में असफल होते हैं जिन्होंने अपना आकलन नहीं किया हुआ होता है और उनको अपनी शक्ति का एहसास नहीं होता है। स्वॉट का पूरा मतलब होता – strength–ताकत, weakness–कमजोरी, Opportunity–अवसर और Threat–चुनौती। इसका मतलब यह हुआ की जो व्यक्ति अपनी ताकत को पहचान कर, अपनी कमजोरियों को सुधार कर, अपने सामने आये किसी अवसर को नहीं छोड़ता उसको कोई पराजित नहीं कर सकता और उसके रास्ते में आनेवाली छोटी–मोटी चुनौतियाँ भी बहुत बड़ी बाधा नहीं बन सकतीं, जिसको पार न किया जा सके।

आज समाचार पत्र,समाचार चैनलसबमें हिंदी भाषा का ही अधिक प्रयोग होता है।केंद्रीय संस्थानों और कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी से लेकर हिंदी भाषा के अनुवादक/दुभाषिया तक बन सकते हैं। इसके अलावा रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के रूप में भी बेहतरीन कैरियर है।ब्लॉग लेखन भी एक विकल्प है। अंत में उन्होंने कहा कि सफलता एक ऐसा शब्द है जो हर कोई

प्राप्त करना चाहता है। लेकिन सफलता प्राप्त कैसे की जाए यह बहुत कम लोग जानते है। लेकिन जो प्राप्त करना चाहते है उनको यह पता नहीं होता कि व्यक्तित्व के विकास में ही ऐसी बहुत सारी खूबियाँ छुपी होती हैं जिनको सुधार लेने मात्र से ही कई सारी असफलताओं को आप सफलता में बदल सकते हैं|

Vote of thanks	अविनाश कुमार

Attendance andFeedback link- https://forms.gle/WAb3VBrweUpUiiVB9

Poster (Attach below)

Pictures (Attach Five Photos)

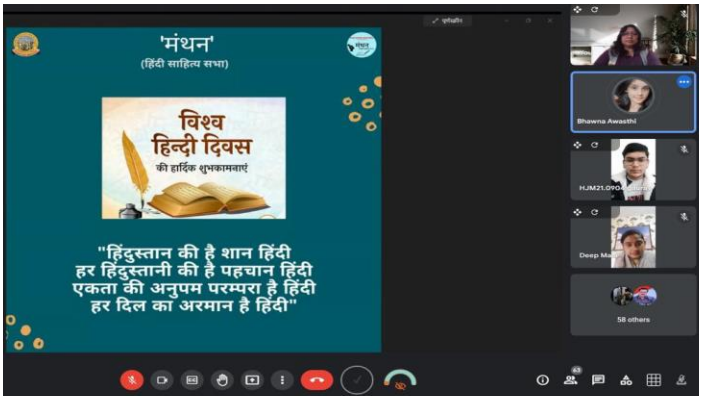

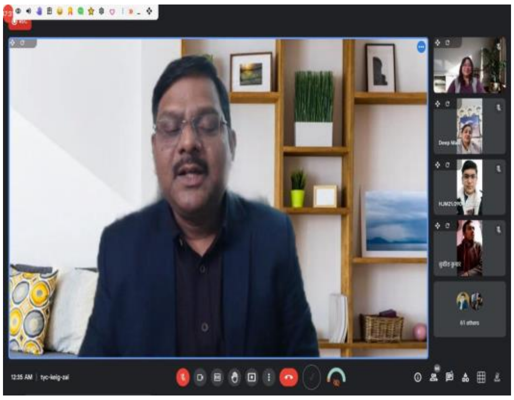

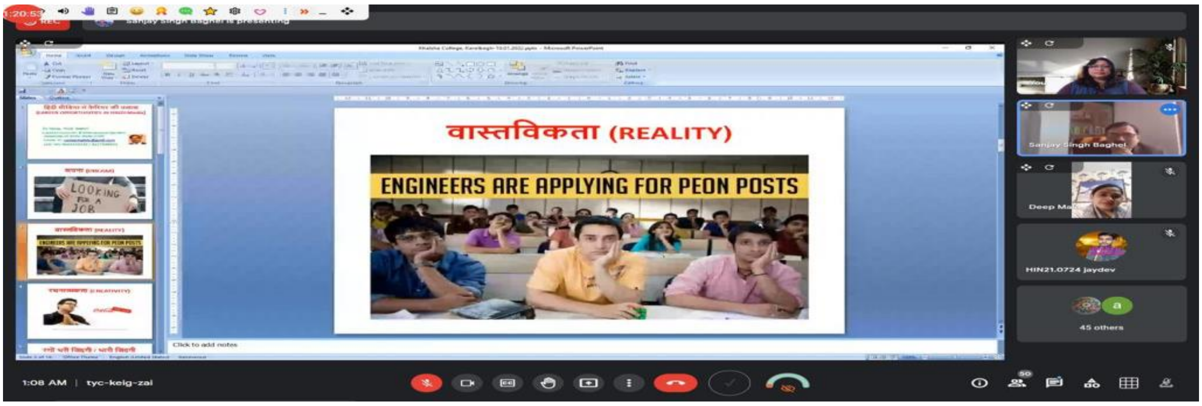

Attach Photocopy of two Certificates-

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

'मंथन'

(हिंदी साहित्य सभा)

प्रमाण-पत्र

सत्र : 2021-22

प्रमाणित किया जाता है कि

भावना अवस्थी

ने दिनांक 10 जनवरी, 2022 को हिंदी व हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित "कैरियर काउंसलिंग वर्कशॉप" में सफलतापूर्वक भाग लिया।

डॉ. अंजु	महेन्द्र प्रताप सिंह	प्रो. गुरमोहिंदर सिंह
प्रभारी (हिंदी व हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग)	(संयोजक)	(कार्यवाहक प्राचार्य)

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

'मंथन'
(हिंदी साहित्य सभा)

प्रमाण-पत्र

सत्र : 2021-22

प्रमाणित किया जाता है कि
सुशील कुमार
ने दिनांक 10 जनवरी, 2022 को हिंदी व हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित "कैरियर काउंसलिंग वर्कशॉप" में सफलतापूर्वक भाग लिया।

डॉ. अंजु
प्रभारी (हिंदी व हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग)

महेन्द्र प्रताप सिंह
(संयोजक)

प्रो. गुरमोहिंदर सिंह
(कार्यवाहक प्राचार्य)

Signature: 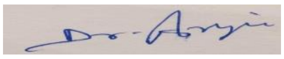

Name: डॉ. अंजु बाला

(Convenor)